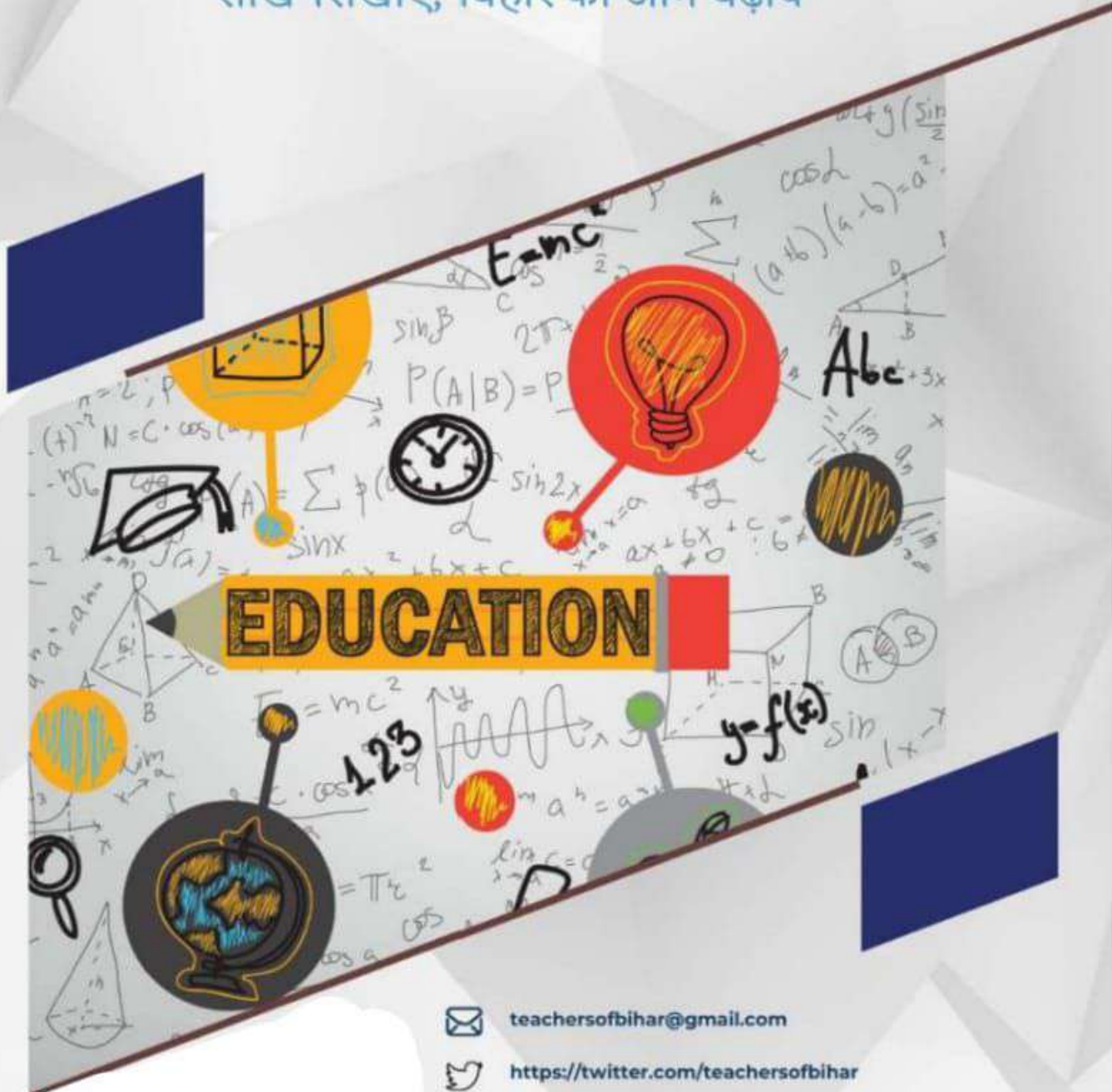




TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें



teachersofbihar@gmail.com



<https://twitter.com/teachersofbihar>



<https://www.youtube.com/c/teachersofbihar>



<https://www.facebook.com/teachersofbihar>



<https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar>



www.teachersofbihar.org

जयंती विशेष



26 मार्च 2026

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

समाज में बदलाव केवल बाहरी क्रांति से नहीं बल्कि
रचनात्मक संकल्प और व्यक्तिगत जागृति से आता है।



महादेवी वर्मा
(कवयित्री)

जन्म - 26 मार्च 1907 मृत्यु : 11 सितंबर 1987

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

दिवस विशेष

26 मार्च



मधु प्रिया

महादेवी वर्मा का जन्म 26 मार्च



महादेवी वर्मा का जन्म 26 मार्च 1907 को फ़र्रुखाबाद उत्तर प्रदेश, भारत में हुआ। उनके परिवार में लगभग 200 वर्षों या सात पीढ़ियों के बाद पहली बार पुत्री का जन्म हुआ था। इसलिये इन्हें घर की देवी महादेवी मानते हुए पुत्री का नाम महादेवी रखा। उनके पिता श्री गोविंद प्रसाद वर्मा भागलपुर के एक कॉलेज में प्राध्यापक थे। उनकी माता का नाम हेमरानी देवी था। महादेवी वर्मा के मानस बंधुओं में सुमित्रानन्दन पन्त एवं निराला का नाम लिया जा सकता है, जो उनसे जीवन पर्यन्त राखी बँधवाते रहे। निराला जी से उनकी अत्यधिक निकटता थी, उनकी पुष्ट कलाइयों में महादेवी जी लगभग चालीस वर्षों तक राखी बाँधती रहीं। महादेवी वर्मा हिन्दी भाषा की कवयित्री थीं। वे हिन्दी साहित्य में छायावादी युग के चार प्रमुख स्तम्भों में से एक मानी जाती हैं। आधुनिक हिन्दी की सबसे सशक्त कवयित्रियों में से एक होने के कारण उन्हें आधुनिक मीरा के नाम से भी जाना जाता है। कवि निराला ने उन्हें “हिन्दी के विशाल मन्दिर की सरस्वती” भी कहा है। महादेवी ने स्वतन्त्रता के पहले का भारत भी देखा और उसके बाद का भी। वे उन कवियों में से एक हैं जिन्होंने व्यापक समाज में काम करते हुए भारत के भीतर विद्यमान हाहाकार, रुदन को देखा, परखा और करुण होकर अन्धकार को दूर करने वाली दृष्टि देने की कोशिश की। न केवल उनका काव्य बल्कि उनके सामाजसुधार के कार्य और महिलाओं के प्रति चेतना भावना भी इस दृष्टि से प्रभावित रहे। उन्होंने मन की पीड़ा को इतने स्नेह और शृंगार से सजाया कि दीपशिखा में वह जन-जन की पीड़ा के रूप में स्थापित हुई और उसने केवल पाठकों को ही नहीं समीक्षकों को भी गहराई तक प्रभावित किया। महादेवी वर्मा के मुख्य कविता संग्रह हैं-नीहार रश्मि, नीरजा, सांध्यगीत, दीपशिखा, सप्तपर्णा, प्रथम आयाम, अग्रिरेखा। महादेवी वर्मा का निधन 22 सितम्बर, 1987, को प्रयाग में हुआ। महादेवी वर्मा ने निरीह व्यक्तियों की सेवा करने का व्रत ले रखा था। वे बहुधा निकटवर्ती ग्रामीण अंचलों में जाकर ग्रामीण भाई-बहनों की सेवा सुश्रुषा तथा दवा निःशुल्क देने में निरत रहती थी। वास्तव में वे निज नाम के अनुरूप ममतामयी, महीयसी महादेवी थी। भारतीय संस्कृति तथा भारतीय जीवन दर्शन को आत्मसात किया था।



Teachers of Bihar

The change makers



जयंती विशेष 26 मार्च



हिन्दी साहित्य में छायावादी युग की प्रख्यात
कवयित्री

महादेवी वर्मा जी

की जयंती पर शत-शत नमन

महादेवी वर्मा

Mahadevi Verma, जन्म: 26 मार्च,

1907, फ़र्रुखाबाद; मृत्यु: 11 सितम्बर, 1987, प्रयाग) हिन्दी भाषा की प्रख्यात कवयित्री हैं। महादेवी वर्मा की गिनती हिन्दी कविता के छायावादी युग के चार प्रमुख स्तंभ सुमित्रानन्दन पन्त, जयशंकर प्रसाद और सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला के साथ की जाती है। आधुनिक हिन्दी कविता में महादेवी वर्मा एक महत्त्वपूर्ण शक्ति के रूप में उभरीं।

www.teachersofbihar.org

राकेश कुमार



TOB



खेल कॉर्नर



टी-20 में यंगेस्ट प्लेयर सेंचुरी

प्लेयर	उम्र और दिन	टीम	खिलाफ	साल
वैभव सूर्यवंशी	14 साल 32 दिन	राजस्थान रॉयल्स	गुजरात टाइटंस	2025
विजय जोल	18 साल 118 दिन	महाराष्ट्र	मुंबई	2013
परवेज हुसैन	18 साल 179 दिन	बरिशाल	राजशाही	2020
गुस्टाव मैकीऑन	18 साल 280 दिन	फ्रांस	स्विट्जरलैंड	2022



Teachers of Bihar
The Change Makers



शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 26.03.2026

पपेट शिक्षण

पपेट शिक्षण (**Puppet Education**) या कठपुतली आधारित शिक्षा एक शक्तिशाली शैक्षणिक तकनीक है, जो मनोरंजन के साथ-साथ बच्चों के संज्ञानात्मक, सामाजिक और भावनात्मक विकास में मदद करती है। पपेट बच्चों की कल्पनाशीलता को उत्तेजित करते हैं और उन्हें रचनात्मक खेल और खोज के लिए प्रोत्साहित करते हैं। मौखिक संवाद के माध्यम से यह बच्चों के भाषा विकास और आत्मविश्वास को बढ़ावा देता है।



रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान



मथुरा में एक ऐतिहासिक क्षण बन चुका है। द्रौपदी मुर्मू गोवर्धन पर्वत की 21 किलोमीटर की परिक्रमा करने वाली देश की पहली राष्ट्रपति बन चुकी हैं।

www.teachersofbihar.org

राकेश कुमार



पद्य पंकज

“

विश्वास एक ऐसा पक्षी है,
जो प्रकाश को महसूस करता है
चाहे भोर हो या अंधेरा।

रविन्द्र नाथ टैगोर

www.padyapankaj.teachersofbihar.org





27 मार्च



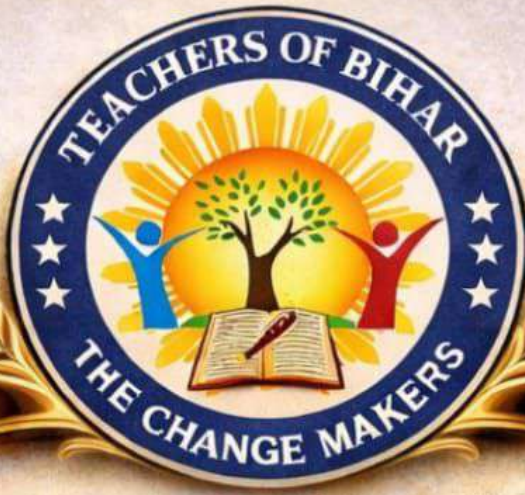
जीवन रंगमंच हैं मित्रों
तुम किरदार निभाते जाना...

रंगमंच से जुड़े सभी साथियों को
विश्व रंगमंच दिवस

की बधाई व हार्दिक शुभकामनाएं।

Madhu priya

www.teachersofbihar.org



Teachers Of Bihar Presents

Smiling Faces Of Bihar



GPS पासवान टोला किरकिचिया
फारबिसगंज, अररिया

 www.teachersofbihar.org

MRITUNJAY KUMAR



Teachers Of Bihar Presents

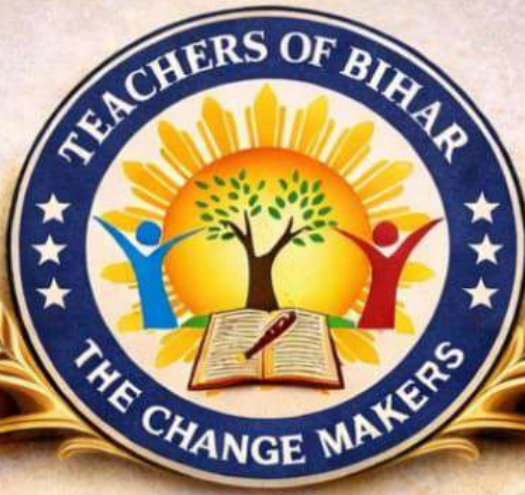
Smiling Faces Of Bihar



प्राथमिक विद्यालय प्रखंड कॉलोनी
फुलवारीशरीफ, पटना

 www.teachersofbihar.org

MRITUNJAY KUMAR



Teachers Of Bihar Presents

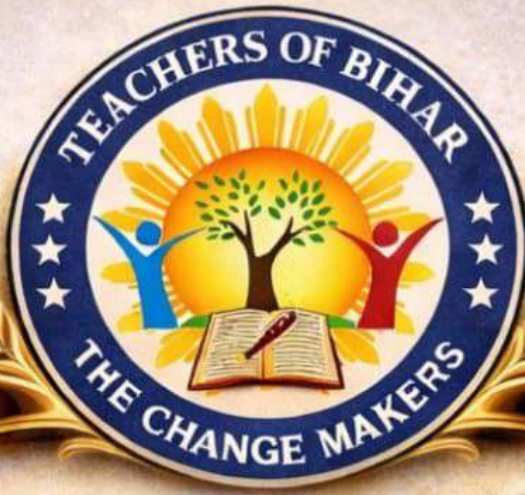
Smiling Faces Of Bihar



प्राथमिक विद्यालय लक्ष्मणपुर
विक्रमगंज, रोहतास

 www.teachersofbihar.org

MRITUNJAY KUMAR



Teachers Of Bihar Presents

Smiling Faces Of Bihar



प्राथमिक विद्यालय रामराय बाग खुटहरी
कहलगांव, भागलपुर

 www.teachersofbihar.org

MRITUNJAY KUMAR